आदेश की कम संख्या और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कार्रवाई मे टिप्पणी तारीख के साथ
11/12/2014	**सारण समाहरणालय, छपरा।** **न्यायालय जिला दंडाधिकारी, सारण, छपरा** **जिला विधि प्रशाखा** **आपूर्त्ति अपील संख्या 25/11** **विश्वनाथ साह बनाम बिहार सरकार (अनुमंडल पदाधिकारी, मढ़ौरा) एवं अन्य** **आदेश** संदर्भित अपील आवेदन अनुमंडल पदाधिकारी, मढ़ौरा के आदेश ज्ञापांक 218 दिनांक 13.1.11 के विरूद्ध दायर किया गया है। दायर अपील वाद की सुनवाई की गयी। वाद का संक्षिप्त इतिहास यह है कि दिनांक 16.11.10 को अनुमंडल स्तरीय गठित जॉच दल (अंचलाधिकारी, तरैया एवं अंचलाधिकारी, इसुआपुर) के द्वारा विश्वनाथ साह, ल.वि.प्रवि, अनुज्ञप्ति सं0 70/07, ग्राम–बसहियॉ, पंचायत–बसहियॉ, थाना+प्रखंड- पानापुर की दूकान की जॉच की गयी। जॉच के कम में पायी गयी अनियमितता इस प्रकार है: 1. निरीक्षण के समय वितरण अवधि में दूकान बंद पायी गयी एवं विक्रेता दूकान से अनुपस्थित थे। 2. दूकान से संबंधित सूचनापट्ट एवं मूल्य तालिका प्रदर्शन पट्ट पर समुचित रूप से संधारित नहीं था। 3. विक्रेता की अनुपस्थिति के कारण स्टॉक पंजी/वितरण पंजी इत्यादि की जॉच नहीं की जा सकी तथा मॉगने पर भी विक्रेता के घर के अन्य सदस्यों के द्वारा उपरोक्त कागजात जॉच हेतु प्रस्तुत नहीं किया गया।	

4. विकेता के घर के अन्य सदस्यों के द्वारा भंडार के निरीक्षण हेतु भंडार खोलकर नहीं दिखाया गया, इससे प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि विकेता के द्वारा सरकार के द्वारा अनुदानित सामग्री का उपभोक्ताओं के बीच वितरण न कराकर उसकी कालाबाजारी कर दी जाती है।

उक्त अनियमितताओं के लिए अनुमंडल पदाधिकारी, मढ़ौरा के ज्ञापांक 3387 दिनांक 4.12.10 के द्वारा विकेता से स्पष्टीकरण पूछा गया। विकेता के द्वारा अपना जवाब प्रस्तुत किया गया, लेकिन विकेता के द्वारा प्रस्तुत जवाब को असंतोषजनक पाते हुए अनुज्ञापन पदाधिकारी के द्वारा उसे अस्वीकृत कर दिया गया तथा उनकी अनुज्ञप्ति को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया गया।

अनुज्ञप्ति रद्द करने संबंधी प्रश्नगत आदेश को चुनौती देते हुए उपस्थित अपीलकर्त्ता के विज्ञ अधिवक्ता के द्वारा बतलाया गया कि दिनांक 16.11.10 को प्रातः 8.00 बजे विकेता के लड़के की अचानक तबीयत खराब हो गयी थी, जिसे ईलाज हेतु मशरक चला गया था। मशरक जाने से पूर्व विकेता अपनी दूकान से संबंधित सूचनापट्ट एवं मूल्य तालिका प्रदर्शन पट्ट समुचित रूप से संधारित किया था। सूचनापट्ट पर अपने बच्चे की ईलाज हेतु मशरक जाने की सूचना भी अंकित किया गया था। विकेता अपने परिवार का अकेला जिम्मेदार व्यक्ति है, इसलिए दूकान से संबंधित कागजात व चाबी अपने ही पास रखता है। विकेता किरासन तेल एवं खाद्यान्न का उठाव नियमित रूप से करता है तथा वितरण सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य एवं निर्धारित मात्रा में उपभोक्ताओं के बीच वितरित करता है। यह भी बतलाया कि विकेता के द्वारा अगस्त, सितम्बर एवं अक्टूबर माह का किरासन तेल का उठाव कर उसका वितरण अपने उपभोक्ताओं के बीच करके उसका कूपन प्रखंड आपूर्ति कार्यालय में जमा किया गया था, जिसकी प्राप्ति रसीद की छायाप्रति संलग्न की गयी है। साथ ही तीनों माह का भंडार पंजी एवं वितरण पंजी की छायाप्रति भी

संलग्न की गयी है। अनुज्ञापन पदाधिकारी के द्वारा अपने आदेश में अंकित किया गया है कि विकेता के द्वारा प्रस्तुत कागजातों में अंकित कतिपय अनियमितताओं के संबंध में विकेता के विरूद्व कार्रवाई की गयी है। यहाँ यह उल्लेखनीय है कि यदि विकेता के द्वारा प्रस्तुत कागजातों/पंजी में किसी प्रकार की कोई अनियमितता पायी गयी थी, तो उनसे पूरक कारणपृच्छा की जाती, लेकिन ऐसा नहीं करके विकेता के विरूद्व उन बिन्दुओं को आधार बनाकर उनकी अनुज्ञप्ति को रद्द किया गया है, जिसका उल्लेख कारणपृच्छा में किया ही नहीं गया था और इस तरह विकेता को उन बिन्दुओं पर अपना पक्ष रखने का मौका नहीं दिया गया, जो प्राकृतिक न्याय के विरूद्व है। अपीलार्थी के विज्ञ अधिवक्ता के द्वारा विकेता की रद्द अनुज्ञप्ति को पुनर्जीवित करने का अनुरोध किया गया।

सरकार का पक्ष रखते हुए विज्ञ विशेष लोक अभियोजक के द्वारा बतलाया गया कि विकेता पर जो आरोप लगाया गया है, वह अनुज्ञप्ति की शर्तों, विभागीय दिशा–निर्देशों के उल्लंघन का परिचायक है।

उभय पक्षों को सुनने तथा अभिलेख के परिसीलन से पाया गया कि अनुमंडल पदाधिकारी, मढ़ौरा के द्वारा पारित आदेश में कुछ कमियाँ नजर आ रही है। यथा– जाँच पदाधिकारी के द्वारा विकेता के संबंध में किसी उपभोक्ता का बयान प्राप्त नहीं किया गया, वितरण पंजी में अंकित हस्ताक्षर की पहचान हेतु अनुमंडल कार्यालय सक्षम स्थल नहीं है। इसके लिए लिखावट विशेषज्ञ की जाँच अपेक्षित प्रतीत होती है। विकेता के द्वारा प्रस्तुत कागजातों में अंकित कतिपय अनियमिताओं के संबंध में विकेता के विरूद्व कार्रवाई की गयी है। यहाँ यह उल्लेखनीय है कि यदि विकेता के द्वारा प्रस्तुत कागजातों/पंजी में किसी प्रकार की कोई अनियमितता पायी गयी थी, तो उनसे पूरक कारणपृच्छा की जाती लेकिन ऐसा नहीं करके विकेता के विरूद्व उन बिन्दुओं को आधार बनाकर उनकी अनुज्ञप्ति को रद्द किया गया है, जिसका उल्लेख कारणपृच्छा में किया ही नहीं गया था और इस

	तरह विकेता को उन बिन्दुओं पर अपना पक्ष रखने का मौका नहीं दिया गया, जो प्राकृतिक न्याय के विरूद्व है।ऐसे में इस मामले को पुनः जॉचोपरान्त वाद की सुनवाई कर मुखर आदेश पारित करने हेतु रिमांड किया जाता है। वाद निष्पादित। लेखापित एवं संशोधित जिला दंडाधिकारी, सारण, छपरा जिला दंडाधिकारी, सारण, छपरा	

ज्ञापांक 1058 दिनांक 15/12/14

प्रतिलिपिः–अनुमंडल पदाधिकारी,मढौरा को निम्न न्यायालय का अभिलेख मूल में संलग्न कर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।

प्रतिलिपिः– जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी, एन0आई0सी0,सारण,छपरा को इस जिले के वेबसाइट पर उक्त आदेश को निदेशानुसार अपलोड करने हेतु प्रेषित।

वरीय उप समाहर्ता
जिला विधि शाखा,सारण,छपरा।
15/12/14